महिला अध्ययन केंद्र द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन: कार्यक्रम की रिपोर्ट

"बाल दिवस" मनाने के लिए महिला अध्ययन केंद्र, दुवासू, मथुरा के तत्वावधान में नंद भवन परिसर, दुवासू, मथुरा में 19 नवंबर 2023 (रविवार) को एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों को प्रकृति, पर्यावरण और पृथ्वी के प्रति उनके प्रेम की सराहना करते हुए अपनी रचनात्मकता, बहुमुखी प्रतिभा को व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करना था। यह शैक्षणिक गतिविधि प्रो. अर्चना पाठक, विभागाध्यक्ष, पशु शरीर रचना विज्ञान विभाग व नोडल अधिकारी महिला अध्ययन केंद्र (एम. ए. के.) दुवासू, मथुरा के नेतृत्व में आयोजित की गई थी। डॉ. बरखा शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, महामारी विज्ञान विभाग, डॉ. रुचि तिवारी, सहायक प्रोफेसर, पशु सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, श्रीमती. ममता देवी (प्रयोगशाला सहायक), पशु सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग आयोजन दल के सदस्य थे। पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रम के स्वयंसेवी छात्र भी सुचारू रूप से गतिविधि में सक्रिय रूप से शामिल थे।

"चित्रकला प्रतियोगिता" के प्रतिभागियों में छावनी के प्राथमिक विद्यालय, दुवासू, मथुरा के विद्यार्थी और विश्वविद्यालय के संकाय और कर्मचारियों के बच्चे शामिल थे। छात्रों को प्रेरित करने के लिए प्राथमिक विद्यालय की तीन महिला शिक्षकों के साथ विद्यालय के प्राचार्य श्री चतुर्वेदी जी भी उपस्थित थे। प्रतिभागियों को आयु के अनुसार 3 समूहों में वर्गीकृत किया गया और उन्हें चित्रकला प्रतियोगिता के लिए अलग-अलग विषय आवंटित किये गये । इस प्रतियोगिता के लिए, समूह-I के प्रतिभागी 6 से 8 वर्ष के आयु वर्ग के "पसंदीदा फूल" विषय पर, समूह-II में आयु वर्ग 8-12 के प्रतिभागी "प्रकृति" विषय पर, जबकि समूह-III में 12-15 वर्ष की आयु के प्रतिभागी थे और उन्हे आवंटित विषय "पर्यावरण को बचाएं, पृथ्वी को बचाएं" था। समूह-I में 9, समूह-II में 23 और समूह-III में 4 प्रतिभागियों के साथ कुल छत्तीस छात्रों ने बढ चढ कर भाग लिया । 6 से 15 वर्ष की आयु के सभी प्रतिभागियों ने कैनवास पर अपनी उल्लेखनीय कलात्मकता का प्रदर्शन किया ।

इस अवसर पर, दुवासू विश्वविद्यालय, मथुरा की प्रथम महिला श्रीमती सुरभि श्रीवास्तव कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रहीं । नोडल अधिकारी, प्रो. अर्चना पाठक, एम. ए. के., दुवासू, मथुरा ने मुख्य अतिथि का गुलाब के पुष्प-गुच्छ भेंट करके स्वागत किया । सभी प्रतिभागियों के चेहरे पर खुशी और उत्साह के साथ यह कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा । प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक समूह में प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय और सांत्वना पुरस्कार वितरित किए गए। सफेद पन्नों पर सुंदर डिजाइनों और विचारों को उकेरने के लिए प्रतिभागियों के ईमानदार प्रयासों की प्रशंसा करने के साथ-साथ मुख्य अतिथि द्वारा सभी प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि ने सभी की सराहना की और अपने विचारों को साझा किया कि कैसे आंतरिक कलात्मक विविधता युवा मस्तिष्कों को उनके विचारों और कल्पनाओं का पता लगाने में मदद करती है और उन सभी को भविष्य में भी ऐसी शैक्षिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया ।

पुरस्कार वितरण के उपरांत, सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों को स्वलपाहार प्रदान किया गया और अंत में कार्यक्रम की स्मृति को जीवंत रखने के लिए सामूहिक तस्वीरें खींची गईं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रुचि तिवारी ने और कार्यक्रम का समापन डॉ. बरखा शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।